Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वतंत्रता दिवस विशेष संस्करण

स्वच्छ वार्ता

कचरे से आज़ादी

स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0

न्यूजलेटर

सत्यमेव जयते

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

भारत सरकार

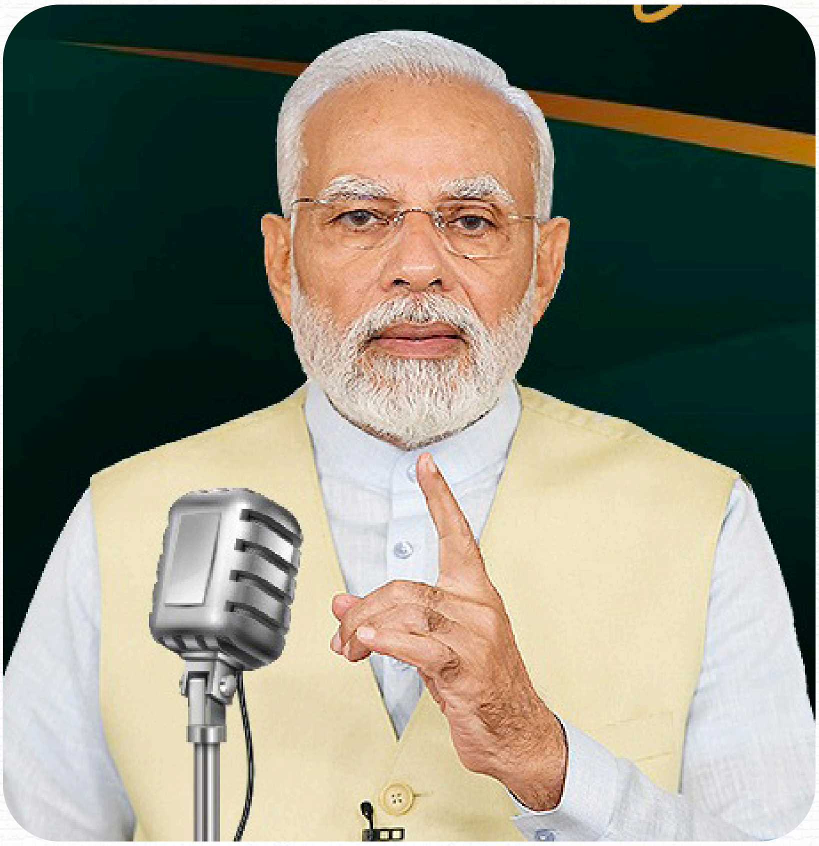

महात्मा गांधी ने स्वच्छता को आज़ादी के सपने के साथ जोड़ा था। आज इतने दशकों के बाद एक बार फिर स्वच्छता आंदोलन ने देश को नए भारत के सपने के साथ जोड़ा है। और यह हमारी आदतें बदलने का एक अभियान भी बनता जा रहा है और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वच्छता एक कार्यक्रम है।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्वच्छ संदेश

"In SBM-U 2.0, the second phase of PM Shri Narendra Modi Ji's visionary Swachh Bharat Mission focuses on making cities garbage free along with sewage & safety management, making cities water secure & ensuring that dirty drains do not merge into rivers."

SHRI HARDEEP SINGH PURI
Union Minister, MoHUA

"हमें अपने शहरों को विकसित, स्वच्छ, प्रदूषणमुक्त, रोजगारयुक्त बनाकर दुनिया के सामने मिसाल पेश करनी है, ताकि हम नहीं बल्कि अन्य देशों के लोग आकर हमारे शहरों, प्लानिंग और संसाधनों को देखें। ऐसे शहरों का निर्माण हम उत्कृष्ट और सुनियोजित योजनाओं द्वारा ही कर सकते हैं, जिसके लिए हमें टीम इंडिया की तरह काम करना है।"

श्री कौशल किशोर
राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

"We are committed to transforming manholes into machine holes. As of now approx. 25% of cities already possess adequate equipment and we anticipate complete mechanization transition by 2026."

SHRI MANOJ JOSHI
Secretary, MoHUA

स्वच्छ वार्ता
न्यूजलेटर

स्वतंत्रता दिवस विशेष

अपशिष्ट से आज़ादी

कचरे से आज़ादी

प्लास्टिक से आज़ादी

पुराने डंपसाइट्स से आज़ादी

येलो स्पॉट्स से आज़ादी

गंदी गलियों से आज़ादी

मैनहोल्स की जोखिम भरी सफाई से आज़ादी

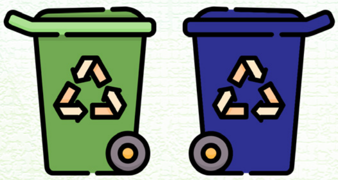

अपशिष्ट से आज़ादी

वेस्ट टु वंडर

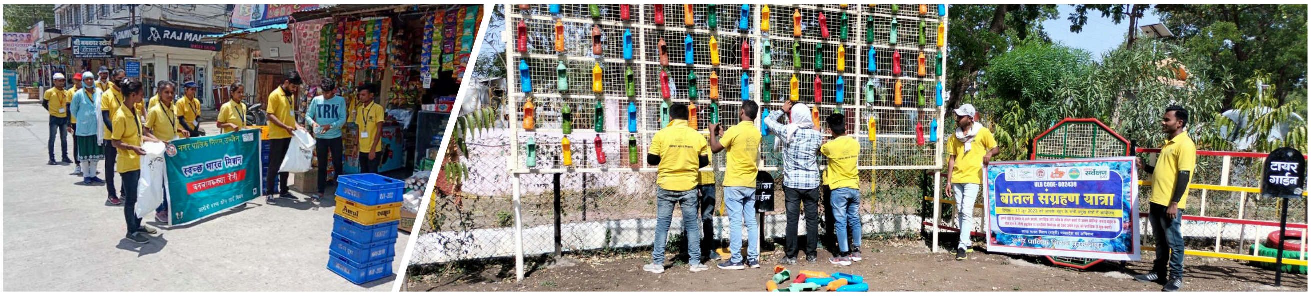

उज्जैन में आयोजित 'वन–डे बॉटल कलेक्शन' अभियान के दौरान 13 जून 2023 को 3R पार्क में प्लास्टिक और कांच की बोतलें एकत्रित कर रीयूज की गईं।

चेन्नई में लोग इलियट्स बीच पर 27 जून 2023 को 600 किलोग्राम प्लास्टिक और 700 किलोग्राम लोहे से बनी कुछए की एक 30 फुट की प्रतिमा का अनावरण कर #UnplasticIndiaMovement से जुड़े।

चंडीगढ़ के कालासागर गार्डन में वेस्ट सैनेटरी आइटम्स, जैसे टॉयलेट्स सिंक समेत अन्य वस्तुओं को सुंदर कलाकृतियों में परिवर्तित किया गया और प्रेरणादायक वेस्ट–टु–आर्ट का उदाहरण पेश किया गया।

टीम भिवानी ने दीवारों पर सुंदर पेंटिंग कर एक गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट (GVP) को स्वच्छ और सुंदर जगह में बदल दिया।

कचरे से आज़ादी

जीरो वेस्ट जीवनशैली

चंडीगढ़ में जून 2023 को "1₹UPEE Store" खोला गया, जहां 3R सिद्धांत (रिड्यूस, रीसाइकल, रीयूज) का प्रचार करते हुए उपयोगी वस्तुओं को केवल 1 रुपये में बेचा गया।

विजयवाड़ा में शहर की नहरों को साफ करने के लिए कैनाल बोट का इस्तेमाल करते हुए नई पहल का शुभारंभ किया गया।

देहरादून में स्वच्छता सप्ताह (12–18 जून 2023) का आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय निवासी, सेना, और एनसीसी के कैडेट्स स्वच्छता के लिए एक साथ आए।

स्वच्छ बाजार, ज्यादा व्यापार' पहल के अंतर्गत रतलाम नगर निगम ने यह सुनिश्चित किया कि बाजारों में दुकानों के बाहर कूड़ेदान उपलब्ध हों और दुकानदारों के बीच जागरूकता भी फैलाई गई।

प्लास्टिक से आज़ादी

#SayNoToPlastic

इंदौर के 'गैंग ऑफ प्लास्टिक हाइस्ट' ने दशहरा मैदान स्थित सब्जी–मंडी में दुकानदारों को प्लास्टिक की थैली की जगह कपड़े के थैले का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उत्तर प्रदेश में 3 जून 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक थैला मुक्त दिवस' पर कपड़े के थैलों के वितरण और नागरिकों द्वारा प्लास्टिक थैले के इस्तेमाल से बचने की प्रतिज्ञा जैसी गतिविधियां देखने को मिलीं।

विजयवाड़ा की 'एनी टाइम बैग मशीन' ने प्लास्टिक के थैलों का एक ईको–फ्रेंडली विकल्प मुहैया कराया।

सिद्धेश्वर हाईस्कूल में 'पेपर–बैग बनाओ' प्रतियोगिता आयोजित कर पिंपरी–चिंचवाड़ ने 'वर्ल्ड पेपर बैग डे' (12 जुलाई 2023) मनाया।

येलो स्पॉट से आज़ादी

खुले में पेशाब से मुक्त शहर

एमपी ने 21 जून 2023 को सीटी/पीटी की स्वच्छता के लिए एक दिवसीय 'टॉयलेट–23' अभियान चलाया। यूएलबी ने करीब 4 हजार शौचालयों में निरीक्षण और सफाई करवाई।

विजयवाड़ा के अधिकारियों ने बेंज सर्कल में निर्माणाधीन पिंक टॉयलेट का निरीक्षण किया, जिसमें सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, इंसिनेटर्स और फीडिंग एरिया जैसी सुविधाएं होंगी।

सीटी/पीटी में ओएंडएम सुनिश्चित करने के लिए इंदौर नियमित दौरे कराता है। शहर में 234 सार्वजनिक शौचालय प्रतिदिन आने वाले लगभग 75,000 आगंतुकों की सेवा में संचालित हैं।

गंदी बैकलेन से आज़ादी

शहरी क्षेत्रों का कायाकल्प

इंदौर के नागरिकों ने 21 जून 2023 को अपने घरों के पीछे मौजूद बैकलेन का निराले अंदाज से कायाकल्प कर उसी स्थान पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

पिंपरी चिंचवाड़ की टीम स्वच्छ ने एक बैकलेन को सुंदर स्वरूप देकर 'आदर्श बैकलेन्स' के नाम से उद्घाटन किया। इस दौरान वहां महिलाओं के एक समूह ने क्रिकेट मैच का आनंद लिया।

चंडीगढ़ नगर निगम ने बैकलेन्स की सफाई के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। इसके तहत 600 बैकलेन्स में साप्ताहिक सफाई अभियान चलाए गए।

मैनहोल्स की जोखिम भरी सफाई से आज़ादी

मैनहोल से मशीनहोल

बीएमसी सभी सेसपूल वाहन कर्मचारियों को स्वास्थ्य और स्वच्छता, कीचड़ हटाने के काम, पीपीई किट के उपयोग और संबंधित प्रोटोकॉल पर प्रशिक्षण देगी, जिसमें ट्रांसजेंडर्स को भी शामिल किया जाएगा। सफाईमित्र सुरक्षा के तहत एक बेहतरीन पहल।

बरसात के मौसम के दौरान भी, घनौर नगर पंचायत ने सफाईमित्र सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मशीनों का उपयोग करके सीवर और सेप्टेज टैंकों की सफाई का अभियान चलाया।

इंदौर निगम का इन–हाउस विकसित 'सीवर निरीक्षण कैमरा' एंड्रॉइड फोन से कॉस्ट इफेक्टिव सीवर जांच सुविधा देता है, जिससे जलभराव रोका जा सकता है।

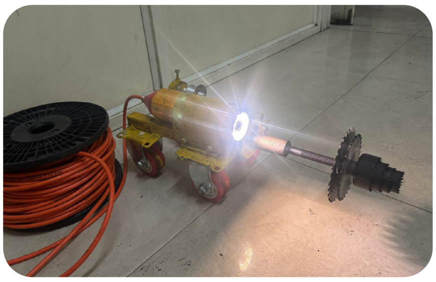

पुराने डंपसाइट से आज़ादी

लक्ष्य जीरो डंपसाइट

उत्तर प्रदेश में पुराने वेस्ट डंपसाइट का ग्रीन जोन में किया गया कायाकल्प

आगरा

मेरठ

उत्तर प्रदेश में 75 शहरी स्थानीय निकायों में से जिनके पास पुराने वेस्ट डंपसाइट्स हैं, उनमें से 32 में रिमिडिएशन का काम किया गया है।

मध्य प्रदेश में पुराने वेस्ट डंपसाइट का रिमिडिएशन

इंदौर

भोपाल

मध्य प्रदेश में कुल 168 पुराने कचरे वाले डंपसाइट्स में से 53 को शहरी स्थानीय निकायों द्वारा सफलतापूर्वक निवारण कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में लेगेसी वेस्ट डंपसाइट्स पर तेजी से हो रहा काम

आंध्र प्रदेश में 124 पुराने कचरे वाले डंपसाइट्स हैं, जिनमें से 10 को शहरी स्थानीय निकायों ने रिमिडिएट कर दिया है और 32 अन्य जगहों पर कार्य प्रगति पर है।

स्वच्छता- जन आंदोलन

पंजाब में स्कूली छात्रों ने वेस्ट सेग्रीगेशन और खाद बनाना सीखने के लिए कुराली के वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर का दौरा किया।

3 जून 2023 को 'वर्ल्ड बाइसिकल डे' के अवसर पर रांची और उज्जैन में 3R के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया।

14 जुलाई 2023 को वेस्ट सेग्रीगेशन और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रयागराज में स्वच्छता की महारैली, स्वच्छता का महाकुंभ का आयोजन किया गया।

जुलाई 2023 में इंदौर में 'यह तो बड़ा ईजी है' अभियान चलाया गया, जिसमें स्लम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को होम कम्पोस्टिंग की जानकारी दी गई।

स्वच्छ सर्वेक्षण

विश्व का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 फील्ड असेसमेंट

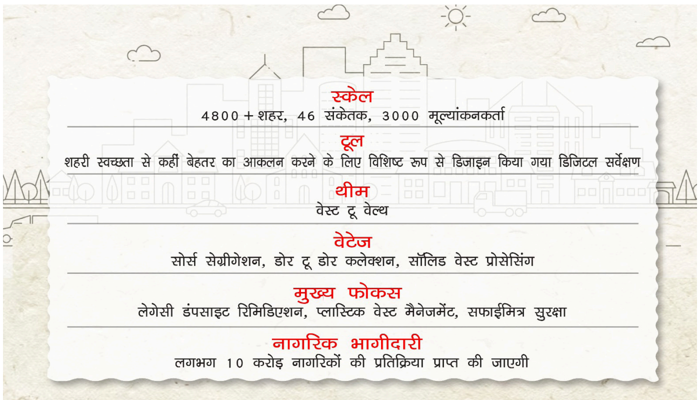

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के मूल्यांकन की चौथी और अंतिम तिमाही 'फील्ड असेसमेंट' को MoHUA सचिव श्री मनोज जोशी द्वारा लॉन्च किया गया। लगभग 3,000 मूल्यांकनकर्ता, 1 जुलाई 2023 से 46 संकेतकों के आधार पर 4800 शहरों के प्रदर्शन का अध्ययन और मूल्यांकन करने के लिए मैदान में उतरे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 टूलकिट लॉन्च

केंद्रीय मंत्री, MoHUA, श्री हरदीप पुरी ने स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0 के अंतर्गत 10 जुलाई 2023 को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के 9वें संस्करण की टूलकिट लॉन्च की। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए थीम RRR–रिड्यूस, रीसाइकल, रीयूज है।

फील्ड विज़िट

MoHUA की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने 11 जून 2023 को कपुलुप्पादा, विशाखापत्तनम में बायोमाइनिंग और जिंदल वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का दौरा किया।

टीम स्वच्छ ने 16 जून 2023 को रायपुर के 550 टीपीडी क्षमता वाले अपशिष्ट सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया।

निमोरा में 16 जून 2023 को 90 MLD वाले एसटीपी प्लांट का क्षेत्रीय दौरा।

राज्य स्तरीय बैठक

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी ने 8 जून 2023 को राष्ट्रीय सलाहकार और समीक्षा समिति (एनएआरसी) की बैठक में अध्यक्षता की, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण, जल प्रबंधन, क्षमता निर्माण और आईईसी के लिए 9 राज्यों में 2,450 करोड़ रुपये के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

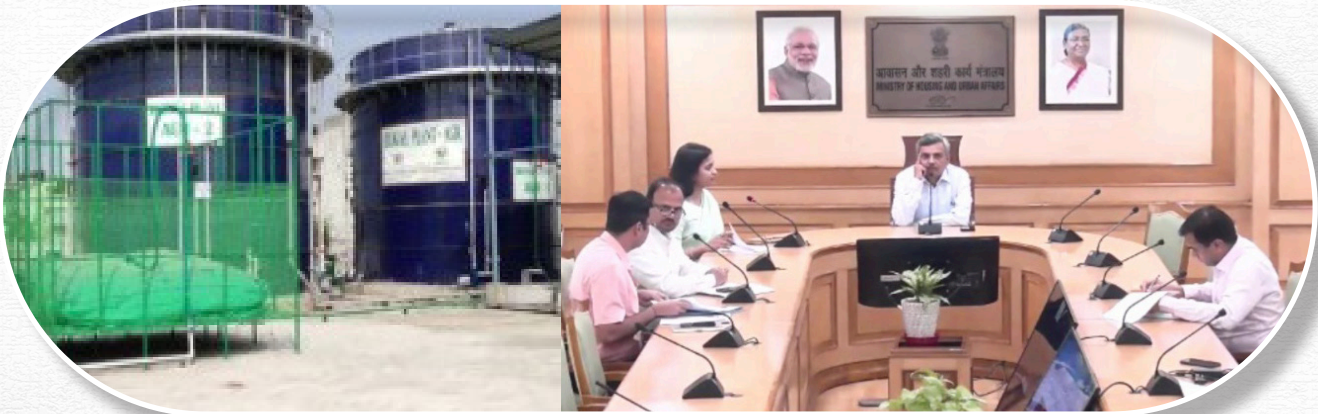

MoHUA सचिव श्री मनोज जोशी ने 9 जून 2023 को विभिन्न राज्यों में लगे CBG प्लांट के कार्यान्वयन पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी ने 20 जून 2023 को दक्षिण एशिया के ADB महानिदेशक श्री केनिची योकोयामा के साथ एसबीएम–यू 2.0 समेत हाल ही में चल रही शहरी विकास परियोजनाओं पर चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

क्षमता निर्माण की पहल

13 जून 2023 को MoHUA की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने एनसीजीजी द्वारा आयोजित एक प्रशिक्षण सत्र में बांग्लादेश से आए सिविल सर्वेन्ट्स के साथ स्वच्छता के सर्वोत्तम प्रयासों पर चर्चा की।

यूज्ड वॉटर एवं फीकल स्लज मैनेजमेंट पर रायपुर में 16 जून 2023 को राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में इनोवेटिव सॉल्यूशंस पर जोर दिया गया और वॉटर मैनेजमेंट में छत्तीसगढ़ की लीडरशिप को दर्शाया गया।

एनआईयूए द्वारा 19 जून 2023 को आयोजित 'पर्वत–मंथन – स्वच्छ और स्थायी पहाड़ी राज्य पर संवाद' के दौरान आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने पहाड़ी राज्यों में स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

एसबीएम–यू 2.0 – योजना और कार्यान्वयन

राष्ट्रीय समीक्षा–सह–कार्यशाला

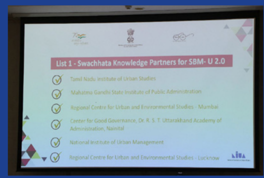

केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप एस पुरी ने आईआईएम इंदौर के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (सीओई) में आपसी सहयोग के प्रसार और विकास के लिए पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में 'स्वच्छता नॉलेज पार्टनर्स इनिशिएटिव' की शुरुआत भी हुई।

मंत्रालय सचिव श्री मनोज जोशी ने एसबीएम–यू 2.0 की योजना एवं कार्यान्वयन की समीक्षा–सह–कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रगति कर रहे शहरों की सराहना की।

समीक्षा–सह–कार्यशाला में शामिल हुए प्रमुख सचिव शहरी विकास एवं नगरपालिका प्रशासन, नगर निगम के आयुक्तों, राज्य मिशन निदेशकों ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी और संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा को शहरी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

twitter

Manoj Joshi
@Secretary_MoHUA

Addressed the #U20MayoralSummit23, at Ahmedabad- Gandhinagar on 07 July, and briefed the participants about the rapid progress being made by India in sustainable urban development. I called upon the Mayors to find innovative ways to improve climate financing in cities. @g20org

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

Hon'ble Union Minister @HardeepSPuri launched the toolkit for Swachh Survekshan 2024, during the Review-cum-Workshop of Planning and Implementation of SBM-U2.0 .
Toolkit includes new indicators for determining cities' ranking & emphasis on #RRR centres.
#IndiaVsGarbage

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

'सिटीजन फीडबैक स्वच्छ सर्वेक्षण 2023' के तहत @MrtNagarNigam अधिकारियों व एनजीओ प्रतिनिधियों के द्वारा शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने और सिटीजन फीडबैक में भागीदारी देने के लिए प्रेरित किया गया ।
#SwachhSurvekshan2023 #RRR
#indiavsgarbage #WasteToWealth

Instagram

sbmurbangov

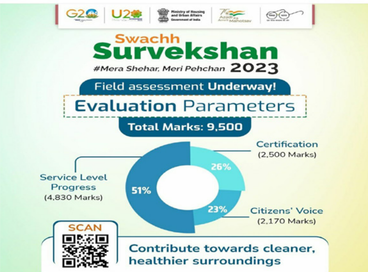

23 likes
sbmurbangov Your city can get the title of being 'the cleanest city of India' if it scores well in... more

sbmurbangov

28 likes
sbmurbangov No effort should die!

sbmurbangov

20 likes
sbmurbangov Embracing responsibility, the citizens of #Karwar, Karnataka, join in action for a remarkable beach clean-up drive on #WorldEnvironmentDay!
Let's continue to keep our beaches pristine and inspire others to do the same! #RRR4LiFE #ChooseLiFE
#IndiaVsGarbage

facebook

Swachh Bharat Mission - Urban
Jun 21

योग करना रोगमुक्त जीवन की कुंजी है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर इंदौर की गणेश कालोनी आदर्श बैकलेन स्थित 'FIT INDORE' ग्रुप द्वारा स्थानीय निवासियों के साथ योगाभ्यास किया गया।
आइये! हम सब साथ आएं और योग को अपने जीवन में अपनाएं एवं इसके प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

Ministry of Housing and Urban Affairs Hardeep Singh Puri Manoj Joshi Press Information Bureau - PIB, Government of India MyGovIndia

See translation

Swachh Bharat Mission - Urban
6d

स्वच्छ भारत मिशन के तहत देशभर में स्वच्छ सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसके तहत कमिश्नर सुरेंद्र रेड्डी ने तेलंगाना ... See more

No translation available
See translation

Swachh Bharat Mission - Urban
Jun 21

Jamshedpur has embarked upon an initiative, upcycling old clothes into a variety of useful items such as carpets, doormats & more. #RRR4LiFE campaign has found a sustainable solution to create livelihood opportunities for a group of workers. #ChooseLiFE #IndiaVsGarbage.
Ministry of Housing and Urban Affairs Hardeep Singh Puri Manoj Joshi Press Information Bureau - PIB, Government of India MyGovIndia

स्वच्छता खबरों में...

दैनिक भास्कर इंदौर, बुधवार 12 जुलाई, 2023

स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 • 9 हजार अंकों में से होगी रैंकिंग, सबसे ज्यादा अंक सर्विस लेवल प्रोग्रेस के, अगले माह आ सकती है सर्वे टीम

6 बार नं. 1, अब सफाई की 'सत्ता' पाने का एक्शन प्लान; 2 करोड़ से होगा ब्यूटीफिकेशन, सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए हर जोन में सहायता केंद्र

भास्कर संवाददाता | इंदौर

नगरीय प्रशासन ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 का नया टूल किट जारी कर दिया है। 9 हजार अंकों में से ही रैंकिंग होगी। सर्वे के लिए अगले महीने टीम के आने की संभावना है। इस बीच सफाई में 6 बार नंबर 1 इंदौर सातवीं बार भी नंबर 1 आने के प्रयास में जुट गया है।

इस बार स्वच्छता एप-311 के 450 अंक कम कर दिए हैं। पहले इसके लिए 550 अंक थे। इस बार सारा जोर सफाई मित्र सुरक्षा पर है। इसके 750 अंक बढ़ा दिए हैं। पिछले साल 900 अंक थे। सेग्रिगेटेड कलेक्शन के 1600 अंक होंगे। पिछले साल 900 अंक निर्धारित थे। इस बार सिटीजन वाइज कैटेगरी में 2170 अंक किए हैं। पहले इसके लिए 2250 अंक थे। सर्विस लेवल प्रोग्रेस के अंक 3 हजार से बढ़ाकर 4830 कर दिए। इस बार केंद्र का पूरा जोर सफाई मित्र सुरक्षा पर है, इसीलिए उसके अंक बढ़ाए हैं। यही कारण है सफाई मित्र सुरक्षा पर निगम ने भी काम शुरू कर दिया है। हेल्पलाइन नंबर बनाने, सफाई मित्र केंद्र और उनकी सेहत की जांच के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं।

सफाई का अंक गणित

450	अंक कम कर दिए स्वच्छता एप के
750	अंक बढ़ा दिए सफाई मित्र सुरक्षा पर
1600	अंक होंगे सेग्रिगेटेड कलेक्शन के
2170	अंक हैं सिटीजन वाइज कैटेगरी में
4830	अंक सर्विस लेवल प्रोग्रेस के

सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए 4 बड़े प्रयास

1. हर जोन में सहायता केंद्र बनाए हैं। इसमें कोई भी सफाई मित्र या कर्मचारी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।
2. विभागीय अधिकारी के अलावा महापौर व निगमायुक्त इनकी सीधी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।
3. कर्मचारियों की सुरक्षा संबंधी सभी उपकरण व मशीनें उपलब्ध हैं। सफाई मित्रों का आईडी कार्ड बनाया जा रहा है। इसमें यूनिक आईडी नंबर होता है। कई बार दस्तावेज खो जाते हैं। यूनिक नंबर होने पर परेशानी नहीं होगी।
4. स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जा रहा है।

(अपर आयुक्त स्वच्छता अभियान सिद्धार्थ जैन के अनुसार)

7 करोड़ की फाइलें बनीं, 2 करोड़ के काम मंजूर

शहर के 85 वार्डों में ब्यूटीफिकेशन व रिपेयरिंग के कामों के लिए 7 करोड़ रुपए की फाइल सिर्फ जनकार्य विभाग के पास पहुंची थी। जनकार्य विभाग प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया 2 करोड़ के कामों को मंजूरी मिली है। इस राशि से सभी वार्डों में उद्यानों के रखरखाव, डिवाइडरों की मरम्मत व पुताई, आसपास के गड्ढे भरने, ब्लॉक की रिपेयरिंग, नालों के ऊपर लगे पौधों की जालियों की पुताई आदि काम होंगे।

IIM में शुरू हुआ स्वच्छता का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

इंदौर| आईआईएम इंदौर में 20 करोड़ से बनाए गए स्वच्छता के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अन्वेषण की शुरुआत मंगलवार से हुई। यहां महापौर, पार्षद, निगम आयुक्त को अपशिष्ट प्रबंधन और पानी, सफाई व स्वच्छता को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहली बैच की शुरुआत 31 जुलाई से होगी। इसमें देशभर से चुनिंदा निगम आयुक्तों को प्रशिक्षित किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर भी कई संस्थाओं के साथ साझेदारी कर उनके लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जाएंगे। डेनवर, रटगर्स, ग्लासगो, लिवरपूल और बोक्कोनी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर इस दिशा में कार्यक्रम होंगे। वैश्विक स्तर पर इस साझेदारी से इंदौर के स्वच्छता के मॉडल को और बेहतर करने और कचरे से पैसे कमाने की दिशा में विचार किया जाएगा।

31 जुलाई से होगी पहली बैच की शुरुआत

आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा यहां समाजसेवी संस्थाओं, होटल, हॉस्पिटल के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे। आईआईएम इंदौर रेटिंग फॉर क्लीनलीनेस भी जारी की जाएगी और कंपलसरी एसिंक्रोनस सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। अन्वेषण की कोर टीम में प्रो. राय, प्रो श्रुति तिवारी और प्रो. वैजयंती अय्यर व्यवहार प्रशिक्षण पर काम करेंगी। प्रो. अमित वत्स नगर निगम के साथ अन्य क्षेत्रों में काम करने की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रो. डीएल सुंदर और प्रो. निशित सिन्हा अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप को मार्गदर्शन देंगे। प्रो. गणेश एन और प्रो. सुबिन सुधीर अन्वेषण के लिए उपयोगी कोर्स बनाने में मदद करेंगे।

आगर-मालवा AGAR MALWA | 09 | पत्रिका | उज्जैन, गुरुवार, 06 जुलाई 2023
#Readers Connect Agar News patrika.com/Agar-Malwa-news | क्यूआर कोड मोबाइल से करें अपनी खबरें, स

नगरपालिका स्वच्छता अभियान: लोगों को जागरूक करने अनुपयोगी सामग्री को भी उपयोगी का दिया संदेश

कबाड़ से जुगाड़, पुरानी सामग्री की सुंदरता ने बिखेरे रंग

पत्रिका सिटी रिपोर्टर patrika.com

आगर-मालवा. नगर पालिका के शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे नवाचार के अंतर्गत अब अनुपयोगी सामग्री को भी उपयोगी बनाने का कार्य किया जा रहा है। नपा के परिसरों में पड़े अटाले को समेटकर निकाय ने कबाड़ से जुगाड़ बनाते हुए पुरानी अनुपयोगी सामग्री को एक नए रंग रूप में सुसज्जित किया तो पुरानी सामग्री सुंदरता के रंग बिखेरने लगी।

शहरी क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए लगातार गतिविधियां नगरपालिका कर रही है। लोगों को जागरूक करने के लिए अनुपयोगी सामग्री को भी उपयोगी बनाने का संदेश प्रसारित करने का कार्य किया है। कुछ दिनों से कर्मचारियों ने अनुपयोगी सामग्री को एकत्रित किया और रंगाई-पुताई कर उपयोगी बनाने के लिए जुट गए। प्रारंभिक तौर पर नपा कार्यालय परिसर में स्थिति बगीचे में सामग्री लगाई गई। बगीचे में जब यह पुरानी सामग्री स्थापित की गई तो सुंदरता का स्वरूप ही बदल गया। पुरानी कचरा गाड़ी के पहियों को निकालकर सीमेंट पाइप के टुकड़े की रंगाई-पुताई कर स्वरूप पुरानी तोप की तरह बना दिया और रख दिया। विभिन्न स्थानों पर पड़े लोहे के टुकड़ों को एकत्रित कर झूले एवं बैठने के लिए आरामदायक कुर्सी बना दी। पानी की टंकी क्षतिग्रस्त हो जाने पर फेंकने की अपेक्षा रंगाई-पुताई कर आकर्षित बना दिया। इसके साथ बगीचे में रंगाई पुताई भी की गई।

दीवारों पर लिखे आकर्षक स्लोगन-अभियान में शहर की सार्वजनिक दीवारों व रिक्त पड़े स्थलों के आस-पास सफाई करते हुए रंगाई-पुताई कर स्लोगन लिखे गए। स्लोगन के माध्यम से शहरवासियों को जागरूक करने का प्रयास नपा ने किया।

लगाया शाइन बोर्ड, बना सेल्फी पाइंट-नपा के सामने स्थित उपवन को सुसज्जित करते हुए नगर पालिका ने उपवन के प्रवेश द्वार पर आय लव आगर लिखा हुआ शाइन बोर्ड बनाया तो सेल्फी लेने वाले युवाओं के लिए यह सेल्फी पाइंट हो गया।

किया पौधारोपण-कायाकल्प में उज्जैन-झालावाड़ हाईवे शिशु मंदिर के सामने से सब्जी मंडी की ओर जाने वाले मार्ग निर्माण कार्य हो जाने के बाद सड़क किनारे नपा ने तार फेंसिंग कर पौधरोपण किया है। पौधे लगाते हुए सुरक्षित रखने के प्रबंध भी किए हैं।

सड़क किनारे पौधरोपण कर पौधे को किया सुरक्षित।

आय लव आगर का लगाया शाइन बोर्ड।

बगीचे में की आकर्षक रंगाई-पुताई।

अनुपयोगी सामग्री बनी सुंदर।

With quality checks in place, RRR centres, Rupee Stores strike a chord with public

Munieshwer.Sagar
@timesgroup.com

Chandigarh: Strict quality control and back-up services at the RRR centres and the 'Rupee Stores' are helping gain public support for the new initiative in the city.

From electronic items like television sets to laptops to books to clothes, city residents are donating in large numbers to the RRR centres, officials of Chandigarh municipal corporation said. At the permanent RRR centre in Sector 17, more than 2,500 items have been donated so far.

MC officials say the RRR and Rupee Stores have gained currency with the public in a short span because of the strict adherence to quality control at these centres.

"The earlier 'Neki ki Deewar' introduced across the city didn't score high on people's perception. But in marked difference to the earlier concept, in RRR we are ensuring that only functional and ready-to-be-used quality products are accepted at the centre. The staff posted at the RRR centre first checks the quality of the product being donated. If the staff finds it in satisfactory condition, then only it accepts the product. These products are then carefully segregated into different categories," said an official.

In case, a product can be used after minor repairs, then it is carried out. "Back-up services for repair of the products donated which can be made operational after only minor repairs have been arranged. So, for instance, if a shoe pair can be reused after minor repair, we use the services of a cobbler," said the official.

The MC has started a permanent RRR centre at New Bridge market, near Jagat cinema, Sector 17, where citizens can bring their reusable items to donate.

The RRR initiative is part of the latest Swachh Survekshan and has total marks of 80. "Doing well in the RRR will help us improve the city's ranking in the Swachh Survekshan rankings," an official said.

COLLECTIONS AT RRR CENTRE, SEC 17

Collections include electronic items (like TV, laptops), microwaves, ovens, fans, heaters, clothes, books, shoes, toys, crockery, etc

1,287	1st Week
1,205	2nd week
2,492	Total collection

KEY PARAMETER IN SWACHH SURVEKSHAN

Promotion of RRR — Total marks 80

- Awareness of citizens about the RRR centre | 20 marks
- At least 1 permanent RRR centre | 20 marks
- Collection mechanism for sourcing in RRR centre | 20 marks
- Forward linkages established for disposal, reuse, recycling, repair of items collection | 20 marks

RUPEE STORES NOT PERMANENT UNITS

In Rupee Stores, all items are available at Re 1 each. These are not permanent stores, but set up wherever required; any place where it is felt that the citizens would be interested in these purchases. Earlier, they had been set up in Maloya, Mauli Jagran and Dhanas

---

www.dunvalleymail.com पृष्ठ 3

नगर निगम ने वेस्ट पिक्कर्स हेतु आयोजित किया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। नगर निगम देहरादून द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत देहरादून क्षेत्र मे गली- मोहल्लों से सूखे कचरे को उठाने का काम करने वाले सफाई मित्रों या वेस्ट पिकर समुदाय के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाया गया जिसमें सूखे और गीले कचरे को अलग करने के फायदे से उनको अवगत किया गया साथ ही सफाई व्यवस्था के समय कैसे अपनी सुरक्षा भी करे की जानकारी दी गई ।

नगर आयुक्त मनुज गोयल द्वारा कांवली रोड स्थित सामुदायिक भवन पर आज सूखे कचरे को उठाने का काम करने वाले वेस्ट पिक्कर को सुरक्षा किट प्रदान की गई जिसमे पहचान पत्र, रिफ्लेक्टर कोट, दस्ताने वा मास्क था. देहरादून में वेस्ट वॉरियर्स संस्था द्वारा वर्ष 2019 में किए गए सर्वे के दौरान लगभग 700 परिवार ऐसे चिन्हित किए गए थे

नगर निगम देहरादून द्वारा इनको स्वच्छ भारत मिशन के दिशा निर्देश अनुसार सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाते है, इसी क्रम मे आज भी 250 वेस्ट पिकर्स को यह सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए है।

देहरादून में कांवली रोड,चुना भट्टा, बिंदल पुल के नजदीक बस्ती, सपेरा बस्ती और करगी चौक पर यह परिवार निवास करते है।

वार्ड पार्षद विशाल कुमार द्वारा बताया गया की लगभग 250 वेस्ट पिक्कर्स रोड बस्ती पर निवास करते है और सुबह सुबह ही यह लोग अपने काम पर निकल जाते है, यहां वहां पड़ा प्लास्टिक,पेपर, गत्ता,कांच,पन्नी आदि इनके द्वारा एकत्रित किया जाता है और इस को बेचकर इनका जीवन यापन भी होता है नगर निगम द्वारा आज इनको एक पहचान देने का काम किया गया. आज के इस कार्यक्रम में सहायक नगर आयुक्त श्री शांति प्रसाद जोशी, वेस्ट वॉरियर्स संस्था से मिताली रावत, नवीन कुमार सडाना, ओसिनिका, पूजा,

---

MCD provides safety kits and IDs to rag pickers

PNS ■ DEHRADUN

The Municipal Corporation of Dehradun (MCD) provided safety kits to over 200 rag pickers for the safe handling of waste. The corporation also conducted a one-day training programme on the weekend in which they were informed about the benefits of separating dry and wet waste along with the ways to protect themselves during picking garbage. The Dehradun municipal commissioner Manuj Goyal handed over safety kits to rag pickers at the community building located near Kanwali Road. The kits included reflector coats, gloves and masks along with an identity card. The officials said that the organisation Waste Warriors in 2019 identified over 700 families involved in rag picking across the city through a survey. The corporation provides these families with safety equipment every year since then as per the guidelines of the Swachchh Bharat Mission, claimed the officials. As part of this programme, the corporation provided the safety kits to over 250 rag pickers on Sunday too. The councillor of Kanwali Road ward, Vishal Kumar said that most of the rag pickers reside in Kanwali Road, Chuna Bhatta, slums near Bindal Pul, Sapera Basti and Kargi Chowk area of the city and over 200 rag pickers live in his ward alone. He said that providing them with kits and identity cards is MCD's initiative to integrate them into the Swachchh Bharat Mission of the country as they immensely contribute to keeping the city clean while they earn their livelihood through it every day.

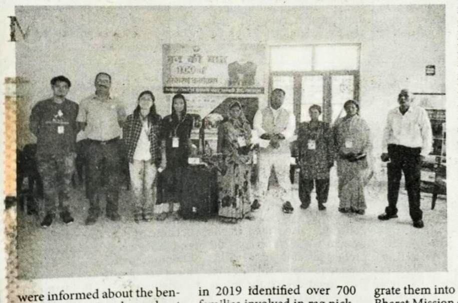

#worldenvironmentday

Dilliwallahs passiona… raising awareness ab…

A bench installed at Pragati Maidan is made using 20,000 waste bottle caps

PHOTOS: INSTAGRAM

ILLUSTRATION: SHUTTERSTOCK

Delhiites swear by the 3Rs to fight the menace of plastic waste

Manvi Singh
manvi.singh@partner.hindustantimes.com

From suffocating marine life in the oceans to polluting the very air we breathe, plastic is an unwelcome guest that refuses to leave. But some Delhiites have conceived innovative solutions to put plastic waste to use while building a better, cleaner and more artistic future!

Artist Manveer Singh Gautam aka Plasticvalla has created an installation using plastic pet bottles and packages to be soon placed at Kautilya Marg as part of the G20 installations around the city. He says, "For the work Dilli Darshan, I've created all the monuments in Delhi, but in small sizes and presented a structure showcasing the Ghazipur dump. It depicts how this dump can also be considered a monument, as we are letting it grow on such a massive scale. I use multi-layered, lightweight plastic that is usually found in landfills and can't be recycled easily."

Passersby at Safdarjung Enclave can't help but notice the vibrant new ashtray installed in the Commercial Complex. "It's made from 60% kitchen foil, 30% toothpaste tubes and 9.5% plastic … ground," says Ashwani Aggarwal from BasicShit.org.

Need a place to reflect on plastic waste being dumped recklessly? … in Karol Bagh, the MLA office in Delhi Cantt and Malviya Nagar, Atta Market in Noida, etc.," says Sonal Shukla from Econscious, adding, "Initially, we were recycling 500kg plastic waste per month from Delhi-NCR, which now stands at 1.5 lakh kg! We process it into large boards where we use at least five types of plastic: milk packets, multi-layered plastic waste, hard plastic waste like shampoo or conditioner bottles …

Manveer Singh Gautam's installation shows the massive level of waste that the city generates in comparison to its tourism

Ashtray made out of plastic waste is installed in Safdarjung Enclave

> We use plastic collected from ragpickers or directly from houses, upcycle it to create public utility resources.
> SONAL SHUKLA, From Econscious

खुलासा फर्स्ट — 24 घंटे 365 दिन — पक्का इंदौरी अखबार
epaper.khulasafirst.com
12 Jun 2023 - Page 2

इंदौर की स्वच्छता से प्रभावित हुए नार्वे के पूर्व मंत्री

महापौर ने नार्वे के पूर्व मंत्री के इंदौर प्रवास पर की सौजन्य भेंट

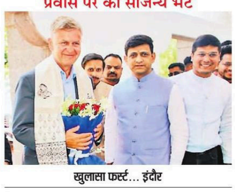

खुलासा फर्स्ट... इंदौर

नार्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर इंदौर पहुंचे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रेसीडेंसी कोठी में पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

नार्वे के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलहेम और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के बीच रेसीडेंसी कोठी पर सौजन्य भेंट हुई। एरिक सोलहेम ने महापौर से कहा कि इंदौर दौरे के दौरान यहां की स्वच्छता से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं। एयरपोर्ट से लेकर यहां तक मार्ग में किसी प्रकार का कोई कचरा मुझे नहीं दिखा। उन्होंने महापौर से मिलते ही इंदौर की सफाई की तारीफ करते हुए कहा कि इंदौर वाकई में स्वच्छता में लगातार 6 बार स्वच्छ रहा है, यह सब कैसे हुआ। महापौर ने कहा कि इंदौर शहर में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाया गया। इसमें नागरिकों की जन सहभागिता, जनप्रतिनिधियों के साथ निगम अधिकारियों व कर्मचारियों की सक्रियता से इंदौर ने स्वच्छता में परचम फहराया है। महापौर ने कहा कि इंदौर नगर निगम ने सोलर प्लांट के लिए ग्रीन बॉण्ड जारी किया इसे अच्छा प्रतिसाद मिला है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचे

एरिक सोलहेम द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित बायो सीएनजी गैस प्लांट का अवलोकन किया गया। इस मौके पर अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा ने बायो सीएनजी गैस प्लांट की जानकारी दी।

स्वच्छता खबरों में...

SBM-U 2.0 Planning & Implementation MoHUA conducts Review-cum-Workshop

MoHUA fast-tracks projects, further accelerates plans to strengthen Solid Waste Management, Used Water Management, Management of CT/PTs, Safai Mitra Surkasha under Swachh Bharat Mission-Urban 2.0"The aim of Swachh Bharat Mission 2.0 is to make the cities garbage-free. With this second phase, we also aim sewage and safety management, making cities water-secure and ensuring that dirty nullahs (drains) don't merge into rivers." -PM Modi

New Delhi, Namrata Poddar: By increasing awareness among citizens and consistently improving the availability of sanitation facilities, the first phase of Swachh Bharat Mission-Urban was successful in achieving the target and 100% of urban India was declared Open Defecation Free. SBM-U 2.0's mandate was to make Urban India Garbage Free and move beyond ODF. In the last 8 years the Mission has changed the narrative to revolutionise sanitation and waste management and catapulted behaviour change in countless citizens. The second phase of Swachh Bharat Mission-Urban became a people's movement and helped in the large-scale mobilization and involvement of citizens. It was a significant step forward in the march towards effectively addressing the challenges of rapidly urbanizing India, while contributing towards achievement of the Sustainable Development Goals 2030.Taking the journey forward, the Mission is moving on the path of sustainable sanitation with over 3500 cities and over 1100 cities being certified ODF+ and ODF++ respectively, and 14 cities certified Water+, which entails treatment of wastewater and its optimum reuse. In Garbage Free Star Ratings for cities, 234 cities have 1-Star Rating, 199 are with 3-Star Rating and 11 cities with 5-star Ratings. The thrust on scientific waste management is evident with waste processing in India going up by over four times from 18% in 2014 to 76% today. More importantly, the Mission has been able to bring about a marked difference in the lives of sanitation workers, informal waste workers and SafaiMitras.Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA) organized a day long Review-cum-Workshop to evaluate and accelerate the scale of planning and implementation of Swachh Bharat Mission Urban 2.0 across the country. Principal Secretaries Urban Development & Municipal Administration from 35 States/UTs, Commissioners of Municipal Corporations of 9 Megapolis, State Mission Directors, sector partners, development partners of MoHUA and others were in attendance.Speaking on the occasion, Union Minister ShriHardeep Singh Puri acknowledged the achievements in the 1st phase of SBM and credited the resounding success to the Jan Andolan that brought about a significant shift in behaviour. The Union Minster emphasized that the second phase of the SBM Urban, seeks to realize the vision of garbage-free cities through scientific solid waste and used water management. He added that expediting planning and approving processes, over 50% of allocations for 22 States have been approved in just the second year.While interacting with the States, he mentioned that during the ongoing Swachh Survekshan he is looking forward to witnessing a marked improvement in the sanitation and waste management status on the ground. The Union Minster highlighted that all cities should achieve 3-Star garbage-free rating by 2026 and this ambitious goal requires accelerated efforts through regular planning, monitoring, evaluation and implementation of corrective measures. He also emphasized that the Review-cum-workshop has provided a valuable platform for learning and sharing experiences of various States.Announcing the launch of the Training Program at Centre of Excellence, Indore, Swachhata Knowledge Partners Directory

&SwachhSurvekshan 2024 Toolkit, the Union Minster, ShriHardeep Singh Puri said that this will foster collaboration and knowledge sharing.Addressing the participating States, Shri Manoj Joshi, Secretary, MoHUA, lauded the tremendous initiatives and relentless efforts of the cities towards Legacy Waste Remediation, waste processing, Used Water Management and Solid Waste management. He added, "We are here to discuss what work needs to be done in future." Interacting with the States, the Secretary highlighted that States like MP, Chhattisgarh, Telangana, AP and Tamil Nadu have been exemplary and the other cities should visit these States to learn from them. Focussing on Legacy Waste Dumpsite and waste processing, the Secretary highlighted that planning and implementation should be expedited to achieve the target by 2026. He reiterated that SBM-U2.0's focus is to establish sustainable infrastructure for efficient & scientific processing of waste besides promotion of Waste to Wealth and Circular Economy. He concluded with focus on Urban Planning that will benefit most of the States in the coming years and help implement source segregation, waste collection, transportation and processing.Giving an overview of various projects under SBM-U 2.0 in different States, Ms.Roopa Mishra, JS & Mission Director, SBM, said, "It's time to look at our policies, learn from other States, and move at a pace wherein we can achieve our 2026 target." Reviewing various States under Municipal Solid Waste Management, she highlighted that SBM-U 2.0 draws its strength from segregation of waste at source and every city has to create a benchmark for fresh waste to stop reaching the dumpsites. She also highlighted on integrating informal sector, role of bulk waste generators, clustering landfills, behaviour change and operating EPRs. The first session of the day saw progress, planning & reviews of States on Municipal Wet Waste Management, Municipal Dry Waste Management including C&D Waste & Legacy Waste Remediation.The post-lunch session started with discussions and review on Municipal Used Water Management in small cities Various States/UTS discussed and emphasized their progress and plans under Aspirational Toilets, Community Toilets/Public Toilets Management, Used Water management in small cities and SafaiMitraSuraksha.Ms D. Thara, JS, AMRUT shared the overall progress review of AMRUT and AMRUT 2.0 projects. She emphasized on how to improve focus on quality in addition to accessibility of drinking water, how to really achieve saturation, what can be further done for source sustainability, water service levels, capacity aspects for improving efficiency of existing infra structure. She also focussed on the agenda of creating new water. The workshop highlighted, the progress in various States/Cities in terms of IEC Campaigns, Capacity Building, IT, Infra, the policy approach of SWM – Door-to-Door Collection, Waste segregation, status of Waste processing, Action Plan Status, Waste To Wealth leading to circular economy, scientific landfill, bulk waste generators, MRFs, Composting Units, National Clean Air Programme (NCAP), Bio-methanation plants in various cities, Extended Producers Responsibility (EPR) & Plastic Waste Management, Policy framework and Action Plan Status for UWM, STPs. Various States/UTs also shared their status, progress, planning and review of various projects, best practices, challenges faced and other experiences under SBM-U 2.0.

Concept By Abhishek Poddar

सत्तावादी | इंदौर | 3

बैकलाइन के गमले में उगाई जा रही हरी सब्जियां

रामचंद्र नगर की बैक लाइन में जहां पहले पसरी रहती थी गंदगी, वहां रहवासियों ने बैकलाइन साफ रखने के साथ ही गमले में उगा रखी थी सब्जियां

• कमिश्नर ने शहर के विभिन्न स्थानों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण • प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सतपुड़ा परिसर का किया निरीक्षण

आवास योजना के आवंटित हितग्राहियों को 15 जुलाई तक पजेशन देने के लिए निर्देश

मुख्य मार्ग के साथ ही कॉलोनी एवं बेक लाइन की हो व्यापक सफाई व्यवस्था- कमिश्नर

रेसीडेंसी से हुई निरीक्षण की शुरुआत

रहवासियों ने बेक लाइन को स्वच्छ और सुंदर बनाया

एसबीएम-यू 2.0 योजनाएं और कार्यान्वयन पर

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के जरिए समीक्षा और कार्यशाला का आयोजन

'स्वच्छ भारत मिशन 2.0 का उद्देश्य शहरों को कचरा मुक्त बनाना है। इस दूसरे चरण के साथ, हमारा लक्ष्य सीवेज और सुरक्षा प्रबंधन, शहरों को जल-सुरक्षित बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि गंदे नाले जाकर नदियों में न मिलें।'

-पीएम मोदी

...मिशन निदेशकों, सेक्टर भागीदारों, डब्ल्यूएचओ के डेवलपमेंट पार्टनर आदि ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एसबीएम के पहले चरण की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए और इसको मिली शानदार सफलता का श्रेय जन आंदोलन को दिया, जिसके जरिए लोगों के व्यवहार में भी महत्वपूर्ण बदलाव आया। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसबीएम शहरी का दूसरा चरण वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट और प्रयुक्त जल प्रबंधन के माध्यम से कचरा मुक्त शहरों के विजन को साकार करना चाहता है। उन्होंने कहा कि योजना और अनुमोदन प्रक्रियाओं में तेजी लाते हुए 22 राज्यों के लिए 50% से अधिक आवंटनों को केवल दूसरे वर्ष में मंजूरी दे दी गई है।

शकील सैफी देहरादून में बना रहे हैं विश्व स्तर का फिल्म स्टूडियो

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प, मिशन लाइफ की ली शपथ

प्रवेश चौहान, देश रोजाना

गुरुग्राम। विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम गुरुग्राम, सेंटर फॉर साइट, देशवाल वेस्ट मैनेजमेंट तथा डीपीएसजी पालम विहार द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा मिशन लाईफ की शपथ ली। कार्यक्रम में डीपीएसजी स्कूल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में 16 स्कूलों, 6 आरडब्ल्यूए, 4 अस्पतालों, 15 सामाजिक कार्यकर्ताओं, 6 सामाजिक संगठनों, एक मार्केट एसोसिएशन व एक कॉरपोरेट को पर्यावरण रक्षक अवार्ड-2023 प्रदान किया गया।अपने संबोधन में नगर निगम की पर्यावरण एवं स्थिरता विंग के नोडल अधिकारी सुभाष यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। हम सभी को एक साथ आकर इसके लिए प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि मानव व जीव-जन्तुओं के जीवन के लिए शुद्ध हवा व पानी का मिलना बहुत ही जरूरी है। अगर हमने अभी से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए तो मानव व जीव-जन्तुओं के लिए मुसीबत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ लगाकर उसका पालन पोषण करना चाहिए। इसके साथ ही ऐसी कोई भी गतिविधि ना करें, जिससे वायु व जल प्रदूषित होता हो। इस बारे में दूसरे लोगों को भी जागरूक करें। इधर-उधर कचरा व मलबा ना फेंकें तथा सेप्टेज वेस्ट का सही प्रकार से निस्तारण करें। डीपीएसजी के निदेशक नितिन भाटिया, सेंटर फॉर साइट की सह-उपाध्यक्षा निरूपमा सचान तथा देशवाल वेस्ट मैनेजमेंट के उपाध्यक्ष अभिलाषा सेन ने भी अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों का होना अति आवश्यक है क्योंकि पेड़ों से हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन मिलती है। उन्होंने कोविड काल को याद करते हुए कहा कि कैसे उस दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते काफी लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। हम सभी को चाहिए कि हम पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाकर उनका पालन-पोषण करें।

SMC to make two markets model plastic-free zones

STATESMAN NEWS SERVICE
SILIGURI, 1 JUNE

The Siliguri Municipal Corporation (SMC) has decided to choose two prominent markets in the town to transform them into model plastic-free areas. A task force will be set up to ensure proper monitoring of the same at the ground level.

There is a blanket ban on

"We have decided that two important markets in the town at Subhas Pally and Fuleswari will be taken up as model markets in terms of no use of plastic carry bags and single use plastic. Three wards around those markets--19, 21 and 24--will be made environment-friendly wards. We believe that it will help build awareness among the people. In the next phases, similar steps will be implemented in other

the civic body, WBPCB, and police to ensure proper monitoring at the ground level.

Environment activists have alleged that lack of proper monitoring and inconsistent drives have led to the rampant use of the plastic carry bags in the civic body areas. Raids and widespread campaigns carried out earlier have failed to curb the use of the bags in the town.

Mr Deb said they plan to

संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा ने नगरीय प्रशासन के कार्यों का किया निरीक्षण

प्रतिदिन नेटवर्क, रायपुर। शुक्रवार को संयुक्त सचिव केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की मिशन संचालक सुश्री रूपा मिश्रा ने राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव अय्याज तम्बोली, छत्तीसगढ़ राज्य शहरी विकास अभिकरण सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौमिल रंजन चौबे, नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त मयंक चतुर्वेदी सहित नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के अधिकारियों एवं रायपुर नगर पालिक निगम, स्वच्छ भारत मिशन शाखा के अधिकारियों की उपस्थिति में राजधानी शहर रायपुर में निमोरा में संचालित छत्तीसगढ़ राज्य के सबसे अधिक क्षमता वाले 90 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं सकरी में संचालित गारबेज प्रोसेसिंग प्लांट एवं राजधानी रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के 70 वार्डों से प्राप्त गीले कचरे से खाद निर्मित करने एवं प्राप्त होने वाले सूखे कचरे, प्लास्टिक वेस्ट के निष्पादन की प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष देखा. संयुक्त सचिव केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और मिशन संचालक एसबीएम सुश्री रूपा मिश्रा ने राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव अय्याज तम्बोली, सीईओ सूडा सौमिल रंजन चौबे, रायपुर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी सहित राजधानी शहर रायपुर क्षेत्र में 17 नालों के सीवरेज का ट्रीटमेंट निमोरा के 90 एमएलडी, कारा के 35 एमएलडी, चंदनीडीह के 75 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से वैज्ञानिक पद्धति से किये जाने की प्रक्रियाओं की जानकारी पर आधारित पावर पॉइंट प्रजेंटेशन देखा. संयुक्त सचिव केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और मिशन संचालक एसबीएम सुश्री रूपा मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान ट्यूलिप स्वच्छ इंटर्न के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों से चर्चा कर उनके कार्यों की संक्षिप्त जानकारी ली. ट्यूलिप स्वच्छ इंटर्न के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित कार्यों पर अध्ययन कर इससे सम्बंधित विविध गतिविधियों की जानकारी सर्वे आदि कार्यों हेतु एकत्र की जाती है. संयुक्त सचिव केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन ने राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव सहित सीईओ सूडा, आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर सहित निरीक्षण के दौरान सकरी स्थित गारबेज प्रोसेसिंग प्लांट में गीले कचरे को खाद में परिवर्तित करने से सम्बंधित वैज्ञानिक पद्धति की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देखने के साथ महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं स्वच्छता दीदियों से चर्चा करते हुए उनसे छत्तीसगढ़ राज्य की लोकप्रिय गौधन न्याय योजना के अन्तर्गत गौठानों के संचालन, जरवाय गौठान में गौधन गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने की प्रक्रिया, राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के माध्यम से सफलतापूर्वक संचालित राज्य स्तरीय जनशिकायत निवारण प्रणाली निदान 1100 में जनशिकायतों के त्वरित निदान की प्रक्रियाओं एवं इन लोकहितैषी योजनाओं की जनउपयोगिता के सम्बन्ध में की संक्षिप्त जानकारी प्राप्त की।

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें:

Swachh Bharat Mission – Urban @SwachhBharatGov sbm_urban Swachh Bharat Urban swachh-bharat-urban